समूह 'ग' (1)

यूजेवीएन लिमिटेड
UJVN Limited

वार्षिक गोपनीय आख्या समूह 'ग' हेतु
(अवर अभियन्ता एवं परिचालकीय संवर्ग को छोड़कर)

भाग–1

1. प्रविष्टि का वर्ष एवं अवधि.....
2. अधिकारिक का नाम.....
3. वर्तमान पदनाम एवं नियुक्ति की तिथि.....एफ0बी0नं0/कार्मिक कोड.....
4. पिता/पति का नाम.....
5. तैनाती कार्यालय का नाम व स्थान.....
6. विभाग में प्रथम नियुक्ति की तिथि पदनाम सहित.....
7. प्रथम नियुक्ति के पद पर स्थाईकरण की तिथि.....
8. योग्यता, (शैक्षिक/प्राविधिक).....
9. वर्ष के दौरान छुट्टी (CL को छोड़कर) आदि पर रहने/ड्यूटी से अनुपस्थित रहने की अवधि.....

भाग–2

प्रतिवेदक अधिकारिक/ अधिकारी द्वारा मूल्यांकन

–मूल्यांकन हेतु बिन्दु

मानसिक गुण एवं कामकाज का ज्ञान, सौंपे गये दायित्वों के निर्वहन की क्षमता, विषयों का प्रस्तुतीकरण, विचार विमर्श एवं वार्ता, समय पालन, श्रमशीलता एवं जागरूकता, कर्तव्य निर्वहन के प्रति लगन, अधिकारियों, सहयोगियों एवं अधीनस्थों से व्यवहार। सम्बन्धित कार्मिक के व्यक्तित्व तथा कार्य के मूल्यांकन को निम्न में से एक श्रेणी में इंगित करें:–

(क) तथा (ड़) के लिए पूर्ण औचित्य दें।

(क)–उत्कृष्ट

(ख)–अतिउत्तम

(ग)–उत्तम

(घ)–संतोषजनक

(ड़)–असंतोषजनक

(च)–अन्य अभियुक्ति यदि कोई हो।

प्रतिवेदक अधिकारिक/अधिकारी के हस्ताक्षर.....

साफ अक्षरों में नाम.....

पदनाम.....

दिनांक.....

भाग–3

सत्यनिष्ठा का प्रमाण पत्र–

1. श्री/श्रीमति/कु0.....की निष्कपटता के लिये सामान्य ख्याति अच्छी है। मै इनकी सत्यनिष्ठा प्रमाणित कर ; हूँ।
2. श्री/श्रीमति/कु0 .....की निष्कपटता के लिये सामान्य ख्याति अच्छी नहीं है। मैं इनकी सत्यनिष्ठा को रोकता हूं।
3. श्री/श्रीमति/कु0.....की सत्यनिष्ठा के बारे में जांच चल रही है।

दिनांक.....

प्रतिवेदक अधिकारी के हस्ताक्षर.....
साफ अक्षरों में नाम.....
पदनाम.....

टिप्पणी– यदि अधिकारिक की सत्यनिष्ठा के बारें में जांच चल रही हो तो ऐसी दशा में जांच पूर्ण होने एवं परिणाम जांचने के उपरान्त ही सत्यनिष्ठा प्रमाणित अथवा अप्रमाणित की जानी चाहिये। जांच पूर्ण न होने की दशा में उपरोक्त वर्णित शब्दों को अकिंत कर देना चाहिए कि सत्यनिष्ठा के बारे में जांच चल रही है।

भाग–4

समीक्षक/सह समीक्षक अधिकारी की अभ्युक्तियां

1. समीक्षक अधिकारी के अधीन की गयी सेवा अवधि .....से .....तक
2. कार्य एवं गुणों का आकलन–

(क) तथा (ड़) के लिए पूर्ण औचित्य दें।

(क)–उत्कृष्ट

(ख)–अतिउत्तम

(ग)–उत्तम

(घ)–संतोषजनक

(ड़)–असंतोषजनक

(च)–अन्य अभियुक्ति यदि कोई हो।

दिनांकः .....

समीक्षक अधिकारी के हस्ताक्षर.....
साफ अक्षरों में नाम.....
पदनाम.....

भाग–5

स्वीकर्ता अधिकारी की अभ्युक्तियां

1. स्वीकर्ता अधिकारी के अधीन की गई सेवा अवधि.....से.....तक
2. प्रतिवेदन की श्रेणी–

(क) तथा (ड़) के लिए पूर्ण औचित्य दें।

(क)–उत्कृष्ट

(ख)–अतिउत्तम

(ग)–उत्तम

(घ)–संतोषजनक

(ड़)–असंतोषजनक

(च)–अन्य अभियुक्ति यदि कोई हो।

दिनांकः .....

स्वीकर्ता अधिकारी के हस्ताक्षर.....
साफ अक्षरों में नाम.....
पदनाम.....

टिप्पणी– प्रतिकूल प्रविष्टि किये जाने पर चाहे वह ऐसी त्रुटि के बारे में है जिसे सुधारा जा सकता है या नहीं। सुधारा जा सकता है तो उसकी सूचना दी जानी चाहिए परन्तु ऐसा करते समय समस्त रिपोर्ट का सारांश प्रतिवेदनाधीन अधिकारिक की सराहना में कही गई बातों सहित सूचित किया जाना चाहिए।